उत्तर प्रदेश राजकीय महाविद्यालय अकादमिकसोसाइटी 25 वां अधिवेशन
भारत में उच्च शिक्षा :उपागमनवाचार एवं गुणवत्तापरकसंदर्भ

नेताजीसुभाषचन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ में उ०प्र० राजकीय महाविद्यालय अकादमिकसोसाइटी की 25वीं वार्षिक बैठक में भारत की उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और चुनौतियों पर परिचर्चा करने के लिए द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन20 जनवरी 2023 को महाविद्यालय की प्राचार्यप्रो० अनुराधा तिवारी के कुशलनेतृत्व और उ०प्र० उच्च शिक्षा विभाग के निदेशकप्रो० अमित भारद्वाज के मार्गदर्शन में हुआ जिसमें प्रदेश के उच्च शिक्षा से जुड़ें हुए अधिकारियों, पदाधिकारियों, प्राचार्यों और राजकीय और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के साथ–साथ देशभर के शिक्षा जगत के विद्वानों, नीति–निर्देशकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा सम्बन्धी अपने शोध–पत्रों और उद्बोधनों के माध्यम से अपने–अपने विचार साँझा किये।उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ताभाटिया, मुख्य वक्ताप्रो० अरविन्द झा, स्कूल ऑफ एजुकेशन, ईग्नू , नई दिल्ली, कार्यक्रम अध्यक्ष निदेशकप्रो० अमित भारद्वाज, विशिष्ट अतिथिउ०प्र० उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रो0 के0 सी0 वर्मा और महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 अनुराधा तिवारी ने उ0प्र0 के संदर्भ मे उच्च शिक्षा के बदलते विभिन्न आयामों, उपलब्धियों और नीतियों के बारे में अपने विचार रखे । संगोष्ठी की संयोजिका प्रो0 शिवानीश्रीवास्तव ने संगोष्ठी की विषयवस्तु को प्रस्तुत किया।

उत्तर प्रदेश राजकीय महाविद्यालय एकेडमिकसोसाइटी के 25 वेंवार्षिक अधिवेशन के अंतर्गत एक परिसंवाद सत्र का आयोजन किया गया जिसका प्रकरण यूपी के आलोक में उच्च शिक्षा रहा प्रोफेसर राजेशचतुर्वेदी, अपरसचिव, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, द्वारा इस परिसंवाद सत्र की अध्यक्षता की गयी इस परिसंवाद सत्र में प्रस्तुत किए गए विचारों को एक सूत्र में बांधते हुए प्रोफेसर राजेशचतुर्वेदी, ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाशडाला व निष्कर्ष दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा में नवाचारपाठ्यक्रमकौशल विकास मूल्य संवर्धन आदि के समावेशे के साथ निश्चित ही मील का पत्थरसाबित होगी। समापन सत्र के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहायक शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा प्रोफेसर बी एल शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने इस अवसर पर सभी शिक्षकों का आह्वान करते हुये राष्ट्र निर्माण में उनकी प्रमुख भूमिका पर प्रकाशडाला।शिक्षकों की समस्याओं का शीघ्रनिस्तारण करने के लिए सरकार और शासनप्रतिबद्ध है। इसके पूर्व अधिवेशनस्थलनेताजीसुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि सभी शिक्षक मन प्राण से सोसाइटी के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लग जाएँ।

दोदिवसीय अधिवेशन में कई प्रस्तावपारित हुए तथा नई कार्यकारिणी का भी मनोनयन किया गया।सर्वप्रथमकार्यकारिणी के संरक्षक मण्डल में सेवानिवृत्त प्रोफेसर यू के सिंह, प्रोफेसर सत्येंद्र सिंह तथा प्रोफेसर सुस्मिताचंद्रा का चयन किया गया। इसके बाद शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा प्रोफेसर अमित भारद्वाज को अध्यक्ष ,चारउपाध्यक्ष पदों पर क्रमशः संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा)प्रोफेसर ब्रह्मदेव, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रोफेसर सुनंदाचतुर्वेदी, प्रोफेसर के सी वर्मा तथा प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी को मनोनीत किया गया। साथ ही सचिवध कोषाध्यक्ष पद पर प्रोफेसर बी एल शर्मा तथा संयुक्त सचिवों के पद पर डाक्टर जय प्रकाशवर्मा, डाक्टरउपदेशवर्मा, डाक्टरप्रवीण कुमार, डाक्टरनितिनबाजपेई तथा डाक्टरप्रह्लाद सिंह का मनोनयन हुआ।

यह भी प्रस्तावित हुआ कि सोसाइटी प्रतिवर्ष एक पत्रिका 'किंजल्किनी 'के नाम से तथा एक त्रैमासिक शोध पत्रिका काप्रकाशन 'प्रमा 'के नाम से करेगी जिसमें उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रकाशित होंगे।संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर शिवानी श्रीवास्तव आयोजन सचिव डाक्टर विनीतालाल डाक्टर पूनम वर्मा डाक्टर क्रांति सिंह डाक्टर संजय बरनवाल सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन प्रो शरद वैश्य ने किया।

उत्तर प्रदेश राजकीय महाविद्यालय अकादमिक सोसाइटी का 25 वाँ वार्षिक अधिवेशन
(25th Annual Convention of Uttar Pradesh Government College Academic Society)
(Two-Day National Seminar)